



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)  
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 465]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 11, 1994/कार्तिक 20, 1916

No. 465] NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 11, 1994/KARTIKA 20, 1916

प्राथम्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय

प्राप्त नियम

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 नवम्बर, 1994

सा.का.नि. 805(अ).—धान कुटाई उद्योग (विनियमन और अनुज्ञापन) नियम, 1959 का और मशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार, धान कुटाई उद्योग (विनियमन) अधिनियम, 1958 (1958 का 21) की धारा 22 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाना चाहती है। उक्त धारा की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाना है, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है और इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर तैसी तारीख से, जिसको ऐसे राजपत्र की प्रतियाँ, जिनमें यह अधिसूचना प्रकाशित की जाती है जनता को उपलब्ध कराई जाती है, पतालीस दिन की अवधि की समाप्ति के बाद विचार किया जाएगा।

किन्हीं ऐसे आक्षेपों या सुझावों पर, जो ऊपर विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पहले उक्त प्रारूप की बाबत किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम धान-कुटाई उद्योग (विनियमन और अनुज्ञापन) मशोधन नियम, 1994 है।

2. धान कुटाई उद्योग (विनियमन और अनुज्ञापन) नियम, 1959 की अनुसूची में प्रारूप 4 के खण्ड 3 की शर्त (3घ) में :—

(i) पहले परन्तुक में, “उन्नीस वर्ष और तीन मास” शब्दों के स्थान पर “बीस वर्ष और तीन मास” शब्द रखे जाएंगे;

(ii) दूसरे परन्तुक के स्थान पर, निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा; अर्थात् :—

“परन्तु अनुज्ञापन अधिकारी, 1 मई, 1970 से पूर्व अनुज्ञापन धान से भूसी उतारने वाले एक यंत्र से भिन्न चावल मिल की दशा में ऐसे पर्याप्त कारणों से जो लेखबद्ध किए जाएंगे, उक्त अवधि को धान-कुटाई उद्योग (विनियमन और अनुज्ञापन) मशोधन नियम, 1994 के प्रवृत्त होने की तारीख से एक वर्ष और बढ़ा सकेगा।”

[फा. सं. एम-26011/1/(पी.वार्ड)/93-94/(आर.एम.)]

प्रमिला ईसर, संयुक्त सचिव

## स्पष्टीकरण ज्ञापन

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय की सभी राज्य सरकारों से विचार-विमर्श करना होता है तथा धान कुटाई उद्योग (विनियमन और अनुज्ञापन) नियम, 1959 में किए गए संशोधन को भी पूर्व प्रकाशित करना होता है। फरवरी 1994 के पहले सप्ताह में राज्य सरकारों को सूचित किया गया कि केन्द्र सरकार समय-अवधि को और बढ़ाना चाहती है। राज्य सरकारों के साथ औपचारिक विचार-विमर्श करने में काफी समय लगा और इसलिए 2(i) और 2(ii) में दिए संशोधनों को भूतलक्षी प्रभाव से लागू किया जा रहा है। प्रमाणित किया जाता है कि भूतलक्षी प्रभाव के कारण किसी व्यक्ति के हित पर विपरीत प्रभाव नहीं पड़ेगा।

धान कुटाई उद्योग (विनियमन और अनुज्ञापन) नियम, 1959, भारत सरकार के भूतपूर्व खाद्य और कृषि मंत्रालय (खाद्य विभाग) की अधिसूचना सं. सा.का.नि. 510 तारीख 22 अप्रैल, 1959 के अधीन प्रकाशित किए गए थे। ये नियम निम्नलिखित अधिसूचना संख्या द्वारा समय-समय पर संशोधित किए गए हैं :—

- (1) सा.का.नि. 1129 तारीख 12-10-59
- (2) सा.का.नि. 694 तारीख 16-6-60
- (3) सा.का.नि. 1028 तारीख 29-8-60
- (4) सा.का.नि. 93 तारीख 15-1-62
- (5) सा.का.नि. 1369 तारीख 6-8-63
- (6) सा.का.नि. 133 तारीख 18-1-65
- (7) सा.का.नि. 1143 तारीख 2-8-65
- (8) सा.का.नि. 85 तारीख 7-1-66
- (9) सा.का.नि. 259 तारीख 11-2-66
- (10) सा.का.नि. 553 तारीख 24-3-70
- (11) सा.का.नि. 105 तारीख 18-1-71
- (12) सा.का.नि. 490 (अ) तारीख 29-7-76
- (13) सा.का.नि. 284 तारीख 18-2-77
- (14) सा.का.नि. 408 तारीख 16-3-78
- (15) सा.का.नि. 80(अ) तारीख 23-2-79
- (16) सा.का.नि. 752 (अ) तारीख 31-12-80
- (17) सा.का.नि. 180(अ) तारीख 16-3-80
- (18) सा.का.नि. 490(अ) तारीख 8-7-82
- (19) सा.का.नि. 635(अ) तारीख 5-8-85
- (20) सा.का.नि. 1144 तारीख 14-12-85
- (21) सा.का.नि. 611 (अ) तारीख 8-4-86
- (22) सा.का.नि. 721 (अ) तारीख 19-8-87
- (23) सा.का.नि. 935 (अ) तारीख 25-11-87
- (24) सा.का.नि. 107(अ) तारीख 12-2-1988
- (25) सा.का.नि. 807(अ) तारीख 22-7-1988
- (26) सा.का.नि. 592(अ) तारीख 18-9-1991

## MINISTRY OF FOOD PROCESSING INDUSTRIES NOTIFICATION

New Delhi, the 10th November, 1994

G.S.R. 805(E).—The following draft of certain rules further to amend the Rice Milling Industry (Regulation and Licensing) Rules, 1959, which the Central Government propose to make, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 22 of the Rice Milling Industry (Regulation) Act, 1958 (21 of 1958), is hereby published as required by sub-section (1) of the said section for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft shall be taken into consideration after the expiry of a period of forty five days from the date on which the copies of the Gazette of India in which this notification is published are made available to the public ;

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft, before the expiry of the period specified above, shall be taken into consideration by the Central Government.

### DRAFT RULES

(1) These rules may be called the Rice Milling Industry (Regulation and Licensing) amendment Rules, 1994.

(2) In the Schedule to the Rice Milling Industry (Regulation and Licensing) Rules, 1959, in Form IV, in clause 3, in condition (3D) :—

(i) in the first proviso, for the words "Nineteen years and three months", the words "Twenty years and three months" shall be substituted ;

(ii) for the second proviso, the following proviso shall be substituted namely :—

"Provided that in the case of rice mill other than a single huller licensed prior to the 1st May, 1970, the Licensing Officer may, for sufficient reasons to be recorded in writing, further extend the said period by one more year with effect from the date of coming into force of the Rice Milling Industry (Regulation and Licensing) Amendment Rules, 1994."

[ File No. M-26011|1|(PY.)|93-94 (R.M.) ]

PROMILLA ISSAR, Jt. Secy.

### EXPLANATORY MEMORANDUM

The Ministry of Food Processing Industries are required to consult all State Governments and also required to pre-publish the amendments to the Rice

Milling Industry (Regulation & Licensing) Rules, 1959. In the first week of February, 1994, the State Governments were informed of the intention of the Central Government to further extend the time limit. Formal consultations with the State Governments took considerable time and as such retrospective effect is being given to the amendments at 2(i) and 2(ii). It is certified that giving retrospective effect would not adversely affect the interest of any person.

#### FOOT NOTE

The Rice Milling Industry (Regulation and Licensing) Rules, 1959, were published under the Notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Food and Agriculture (Department of Food), No. G.S.R. 510, dated the 22nd April, 1959. These rules have been amended from time to time by notification nos.—

- (1) GSR 1129 dated 12-10-1959.
- (2) GSR 694, dated 16-6-1960.
- (3) GSR 1028, dated 20-8-1960.
- (4) GSR 93, dated 15-1-1962.
- (5) GSR 1369, dated 6-8-1963.
- (6) GSR 133, dated 18-1-1965.

- (7) GSR 1143, dated 2-8-1965.
- (8) GSR 85, dated 7-1-1966.
- (9) GSR 259, dated 11-2-1966.
- (10) GSR 553, dated 24-3-1970.
- (11) GSR 105, dated 18-1-1971.
- (12) GSR 490(E), dated 29-7-1976.
- (13) GSR 284, dated 18-2-1977.
- (14) GSR 408, dated 16-3-1978.
- (15) GSR 80(E), dated 23-2-1979.
- (16) GSR 752(E), dated 31-12-1980.
- (17) GSR 180(E), dated 16-3-1981.
- (18) GSR 490(E), dated 8-7-1982.
- (19) GSR 635(E), dated 5-8-1985.
- (20) GSR 1144, dated 14-12-1985.
- (21) GSR 611(E), dated 8-4-1986.
- (22) GSR 721(E), dated 19-8-1987.
- (23) GSR 935(E), dated 25-11-1987.
- (24) GSR 107(E), dated 12-2-1988.
- (25) GSR 807(E), dated 22-7-1988.
- (26) GSR 592(E), dated 18-9-1991.

